03-03-2024

NSI में खुलेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर बायोफ्यूल

नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट के नए डायरेक्टर प्रोफेसर डी स्वाइन ने संभाला चार्ज

kanpur@inext.co.in

KANPUR (2 March): गवर्नमेंट की पॉलिसी के मुताबिक साल 2025 तक पेट्रोल में 20 परसेंट बायोफ्यूल (एथेनॉल) को मिलाना है. 2023 तक हमने 12 परसेंट के लक्ष्य को लगभग पूरा कर लिया है. इस साल शुगरकेन और राइस की फसल कमजोर हुई है, हमारी पहली प्राथमिकता पब्लिक को फूड सप्लाई है. ऐसे में इस साल इन दोनों फसलों से एथेनॉल कम मात्रा में प्राप्त होगा. ऐसे में एथेनॉल बनाने के लिए नॉन फूड प्रोडक्ट्स का यूज किया जाएगा. यह बातें नेशनल शुगर इंस्टिट्यूट (एनएसआई) के नए डायरेक्टर प्रोफेसर डी स्वाइन ने कहीं.

एनएसआई डायरेक्टर डी स्वाइन.

शुगर बीट से बायोफ्यूल

चार्ज संभालने के बाद बातचीत में उन्होंने कहा कि स्वीट सोरगम और शुगर बीट से बायोफ्यूल बनाया जाएगा. इस काम को करने के लिए एनएसआई में सेंटर एक्सीलेंस का बायोफ्यूल की स्थापना होनी है.

मास्टर डिग्री कोर्स

प्रोफेसर स्वाइन ने कहा कि उनकी प्राथमिकता में एनएसआई में चल रहे पीजी डिप्लोमा कोर्सेज को मास्टर डिग्री में कन्वर्ट कराना है, जिससे यहां से पासआउट होकर जाने वाले स्टूडेंट्स के लिए अपॉर्च्युनिटी बढ़ सके. इसके अलावा स्टूडेंट के बढ़ती कैपिसिटी को देखते हुए 300 सीटर हॉस्टल भी बनाना प्रस्तावित है. बताते चलें कि प्रोफेसर स्वाइन 1992 से एनएसआई के शुगर इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट में कार्यरत है.

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर में जल्द ही भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी-प्रोफेसर डी स्वाईन

सुशील त्रिवेदी

कानपुर देहात। प्रो. डी. स्वाईन ने 29 फरवरी 2024 की शाम को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के निदेशक के पद पर कार्यभार संभाला। प्रो. स्वाईन ने एच.बी.टी.आई. कानपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर और राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर से शुगर इंजीनियरिंग करने के उपरांत, 1992 से संस्थान में लेक्चरर (शुगर इंजीनियरिंग) के सहायक प्रोफेसर (शुगर इंजीनियरिंग) एवं प्रोफेसर (शुगर इंजीनियरिंग) के पद पर कार्य कर चुके है। प्रो. स्वाईन चीनी, अल्कोहल और कोजेनेरशन उद्योग के विभिन्न पहलुओं में अनुभव रखने वाले एक दक्ष पेशेवर है और पिछले 31 वर्षों से राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार से जुड़े हुए है।

संस्थान ने विगत कुछ वर्षों से अच्छा प्रदर्शन कर, विश्व स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। प्रो. स्वाईन ने कहा है कि वह इस गति बनाए रखेंगे और संस्थान के वैश्वीकरण की दिशा में और उत्कृष्टता हासिल करने का प्रयास करेंगे। नियमित गतिविधियों के अलावा, उनका लक्ष्य संस्थान में चल रहे विभिन्न स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों को स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रमों में परिवर्तित करके उनमें एकरूपता लाना है। चीनी रिफाइनरी संचालन पर एक नए पाठ्यक्रम को शामिल करने और कुछ मौजूदा पाठ्यक्रमों में सीटों के हालिया विस्तार को ध्यान में रखते हुए, एक और नए छात्रावास का निर्माण का लक्ष्य होगा। पर्यावरण प्रदूषण को रोकने और विदेशी मुद्रा बचाने के लिए देश को जैव ईंधन की आवश्यकता है। खाद्य बनाम ईंधन की वर्तमान स्थिति सरकार को इथेनॉल के उत्पादन को सीमित करने को मजबूर कर सकती है और इस स्थिति में संस्थान संकट का समाधान प्रदान करके में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। संस्थान का बायो फ्यूल से सम्बंधित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करके गैर-खाद्य फीड स्टॉक का उपयोग करके इथेनॉल उत्पादन को प्रोत्साहित करने का उद्देश्य होगा।

NSI में खुलेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर बायोफ्यूल

KANPUR (2 March):

शुगर बीट से बायोफ्यूल

मास्टर डिग्री कोर्स